तृतीय अध्याय

अध्याय–3

शोध प्रविधि

3.1 भूमिका

अनुसंधान कार्य में सही दिशा की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से यह आवश्यक होता है कि शोध प्रबंध की व्यवस्थित रूप रेखा ही शोध को एक निश्चित दिशा प्रदान करे इसमें न्यादर्श का चयन की विशेष भूमिका होती हैं क्योंकि न्यादर्श जितने अधिक सुदृढ़ रहेंगे शोध के परिणाम उतने ही विश्वसनीय और परिशुद्ध होंगे। न्यादर्श के चयन के पश्चात तकनीक एवं उपकरणों का चयन भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसी के आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है। तत्पश्चात एक उपयुकत सांख्यिकीय विधि के माध्यम से प्रदत्तों का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाला जाता है।

प्रस्तुत लघु शोधप्रबंध के इस अध्याय में मुख्यतः न्यादर्श चयन, शोध में प्रयुक्त उपकरण प्रदत्तों का संकलन एवं प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधि का वर्णन किया गया है।

3.2 न्यादर्श चयन

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधकर्ता द्वारा न्यादर्श का चयन उद्देशीय प्रतिचयन पद्धति द्वारा किया गया। गुजरात राज्य, के पंचमहाल जिले के संतरामपुर ब्लॉक में स्थित 100 अभिभावकों को चुना गया जो नौकरी कर रहे हैं और इनके 6 से 14 साल की आयु के दो बच्चें है। जिसमें एक लड़का और एक लड़की है। ऐसे 100 अभिभावकों (50 माता 50 पिता) को प्रश्नावली दी गई और उनमें से 86 अभिभावकों ने प्रस्तुत प्रश्नावली पर अपने विचार दिये।

3.3 परिवर्तयों

– स्वतंत्र परिवर्तय

लिंग (Gender) लड़का और लड़की

– आधारित परिवर्तय

1. अभिभावकों की अभिवृति
2. अभिभावकों का व्यवहार

3.4 शोध में प्रयुक्त उपकरण

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता ने स्व–निर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया। प्रश्नावली बनाने में Pant, S.K. (2002) Gender Bais in Girl Child Education, NCERT, New Delhi- नामक जर्नल की मदद ली गई। शोध में प्रयुक्त उपकरणों को अभिभावकों का बच्चे के प्रति सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, पारंपरिक, व्यवसायिक और आर्थिक दृष्टिकोण से अपनाये जा रहे व्यवहार को ध्यान में रखकर बनाया गया।

शोध में प्रयुक्त प्रथम उपकरण निर्धारण मापनी को शिर्षक **आप का क्या मानना है?** दिया गया। उसमें कुल 27 विधान थे। निर्धारण मापनी त्रिस्तरीय बनाई गई थी। दूसरा उपकरण वैकल्पिक प्रश्नावली में कुल 22 प्रश्न सम्मिलित थे। वैकल्पिक प्रश्नों के 2 से 4 विकल्प थे। जबकि सबसे अंत में वर्णनात्मक प्रश्नावली है जिसमें 17 प्रश्न सम्मलित थे। उन सभी प्रश्नों के उत्तर अभिभावकों को दो/तीन वाक्यों में देना था।

इस प्रकार प्रश्नावली को विशेषज्ञों के साथ बैठकर चर्चा की गयी। विशेषज्ञों द्वारा दिये गये आवश्यक सुझावों को ध्यान में रखकर प्रश्नावली को अंतिम स्वरूप दिया गया।

3.5 शोध में प्रयुक्त उपकरण का संचालन

शोध में प्रयुक्त तीनों उपकरण प्रतिचयनीत अभिभावकों को दिए गये। उपकरणों में पूछे गये सवाल या विधानों की परिपूर्ति करते समय अभिभावकों जो कोई समस्या उपस्थित हुई उनका समाधान किया गया। इन्हें पूर्ण करने के लिऐ अभिभावकों को एक सप्ताह का समय दिया गया। सप्ताह के उपरांत इन उपकरणों को वापस लिया गया। 100 अभिभावकों में से 86 अभिभावकों ने प्रश्नावली भरकर वापस की उनमें से 6 प्रश्नावलियों अपूर्ण होने के कारण विश्लेषण में उन्हें सम्मिलित नही किया गया। अंत में 80 प्रश्नावलियों का विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाला गया।